हिंदी

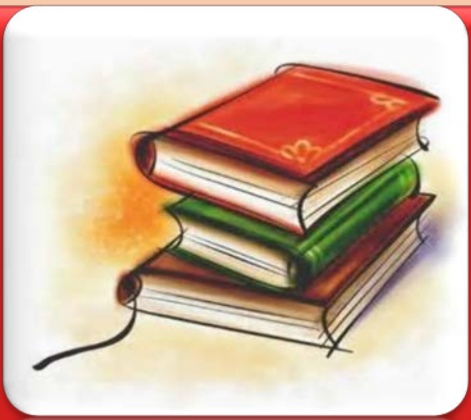

कक्षा - VII

थीम 1: सुनना और बोलना

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- पढ़ी, सुनी या देखी बातों जैसे – सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों, मुद्दों, सामाजिक सरोकारों आदि पर बेझिझक चर्चा कर सकेंगे।
- टीवी पर प्रसारित चर्चा, संगोष्ठी, सोशल मीडिया और इंटरनेट की दृश्य-श्रव्य सामग्री का अर्थ-ग्रहण कर सकेंगे। आवश्यकता अनुरूप अपनी प्रतिक्रिया प्रकट कर सकेंगे।
- रेडियो, टीवी, आदि पर सुनी देखी बातों और ख़बरों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त कर सकेंगे।
- विविध कलाओं, जैसे – हस्तकला, वास्तुकला, नृत्य कला आदि में प्रयुक्त भाषा के शब्दों को समझ सकेंगे।
- नए शब्दों को जानने के लिए खोजबीन करेंगे।
- वक्ता के विचारों से असहमत होते हुए भी उसकी उसकी बात ध्यानपूर्वक शिष्टाचार के साथ सुन सकेंगे और उसके दृष्टिकोण को समझ सकेंगे।
- अपने विचारों को आत्मविश्वास से प्रस्तुत कर सकेंगे।
- प्रश्नों को सुनकर समझेंगे और उनके अनुरूप उत्तर दे सकेंगे।
- **विभिन्न संदर्भों में प्रयुक्त भाषा-शैली को समझते हुए उसका आनंद ले सकेंगे।**
- **साहित्यिक अंशों का सुनकर आनंद ले सकेंगे और अर्थ-ग्रहण कर सकेंगे।**
- लिंग / वचन का सही प्रयोग करते हुए अपनी बात कह सकेंगे।
- मल्टी-मीडिया (ग्राफ़िक्स, तस्वीरें, संगीत, ध्वनि आदि) का प्रयोग करते हुए दृश्य-सामग्री प्रस्तुत कर सकेंगे।
- अपनी आयु के अनुरूप विषयों पर आशुभाषण प्रस्तुत कर सकेंगे।

सुनना और बोलना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ पाठ्य सामग्री पर आधारित विविध प्रकार के प्रश्न। ▸ सामूहिक चर्चा - विषय – ☛ *लड़का-लड़की एक समान* ☛ *मोबाइल फ़ोन* ☛ *परीक्षाएँ नहीं होनी चाहिए* ▸ अपनी कक्षा के स्तर की शब्दावली	▸ ऑडियो सुनवाएँ और प्रश्न पूछें। विविध विधाओं की भाषा सुनवाने के लिए परिस्थितियाँ / अवसर प्रदान करें [redacted] ▸ अतिथियों द्वारा वक्तव्य के अवसर दें, मल्टीमीडिया सामग्री सुनाकर – दिखाकर विद्यार्थियों को अपनी प्रतिक्रिया देने के अवसर दें। [redacted]	▸ [redacted] ▸ विविध प्रकार की ऑडियो/ वीडियो सामग्री ▸ साहित्यिक लेख (अख़बार, पत्रिकाओं से)

सुनना और बोलना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ पी०पी०टी० या वीडियो द्वारा प्रस्तुत सामग्री ▸ सूचनाएँ, जानकारियाँ ▸ विभिन्न संदर्भों, सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक आदि में भाषा की समझ और विश्लेषण ▸ समाचार-पत्र, टी०वी०, विज्ञापन आदि की भाषा ▸ विभिन्न संदर्भों, जैसे – भाषण, वाद-विवाद आदि में प्रयुक्त भाषा ▸ मल्टीमीडिया का प्रयोग करते समय विभिन्न अंगों (जैसे – ग्राफ़िक्स, तस्वीरें, संगीत, ध्वनि आदि) का दृश्य सामग्री में प्रस्तुति ▸ विषय – ☛ *आदिवासी जीवन* ☛ *किसी वैज्ञानिक का जीवन* ☛ *साहित्यकार का जीवन* ☛ *किसी खिलाड़ी का जीवन*	▸ श्रुतभाव-ग्रहण के लिए अलग-अलग अभ्यास करवाने के अवसर प्रदान करें। ▸ सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, अखबार के लेख, फिल्म, ऑडियो, वीडियो सामग्री को देखने, सुनने और समझने के अवसर दें। ▸ अपने परिवेश, समय और समाज से जुड़े विषयों पर रचनाएँ उपलब्ध करवाएँ। ▸ कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों जैसे – अभिनय, कविता – पाठ, वाक् प्रस्तुति के आयोजन करें। ▸ साहित्य और साहित्यिक तत्वों की समझ बढ़ाने के अवसर दें। ▸ मल्टीमीडिया का प्रयोग करते हुए परियोजना का कार्य करवाएँ।	▸ [redacted] ▸ नेट सुविधा/ मल्टीमीडिया ▸ श्रुतभाव- ग्रहण की सामग्री / प्रपत्र

थीम 2: पढ़ना एवं लिखना (पठन एवं लेखन कौशल)

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों आदि से सामग्री को पढ़कर समसामयिक संदर्भों में उसका अर्थ समझ सकेंगे।
- किसी **विशिष्ट उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उससे संबंधित विशेष स्थल को पहचान कर पढ़ सकेंगे**। शीर्षक एवं उपशीर्षक दे सकेंगे।
- पाठ के सार एवं विचार सारणी को ग्रहण कर सकेंगे।
- **शब्दकोश को देखकर अर्थ ढूँढ़ सकेंगे**।
- अपने विचारों से अलग पाठ्य-सामग्री के मूलभूत तथ्यों को पहचान सकेंगे।
- विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को पढ़कर समझेंगे और उनके अनुकूल उत्तर लिख सकेंगे।
- शब्दों, मुहावरों और पदबंधों का अपने लेखन में प्रभावशाली और उपयुक्त प्रयोग कर सकेंगे।
- विद्यालय की पत्रिका के लिए कहानी, कविता, चुटकुले, लेख, रिपोर्ट आदि लिख सकेंगे।
- विभिन्न प्रिंट और डिजिटल माध्यमों से जानकारी प्राप्त करके अपने लेखन में उसका उपयोग कर सकेंगे।
- प्रभावशाली शैली, तार्किक और व्याकरण सम्मत भाषा में अपनी बात लिखकर अभिव्यक्त कर सकेंगे।

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ विविध प्रकार के प्रश्न ▸ पाठ्य सामग्री के केंद्रीय-भाव का अनुमान ▸ काव्य रचना की समझ और भाव-ग्रहण ▸ अपनी व्यक्तिगत राय से भिन्न पाठ्य-सामग्री के मूलभूत तथ्यों की पहचान ▸ संदर्भ के अनुरूप शब्द, मुहावरे और पदबंध ▸ पाठ्य-सामग्री को टुकड़ों में बाँटकर अपनी समझ का संवर्द्धन ▸ वास्तविक, काल्पनिक अनुभव	▸ कल्पना, अनुमान लगाने और खुले अंत वाले प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँ और उनपर चर्चा करें। ▸ विभिन्न विधाओं जैसे – कविता, कहानी, एकांकी आदि को भावपूर्ण ढंग से पढ़वाएँ। आदर्श वाचन प्रस्तुत करें और विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान करें जिसमें वे विभिन्न विधाओं को उपयुक्त शैली में पढ़ सकें और लिख सकें। ▸ [redacted] ▸ वाक् प्रस्तुति करवाने के अवसर प्रदान करें। ▸ सक्रिय और जागरूक बनाने के लिए समसामयिक लेख पढ़ने को दें और उन पर अपनी प्रतिक्रिया लिखने को कहें। ▸ कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को	▸ साहित्यिक - सामग्री के लिए पुस्तकें और पत्रिकाएँ ▸ प्रासंगिक, तात्कालिक/ समसामयिक पुस्तकें। ▸ नेटसुविधा/ मल्टीमीडिया ▸ लेखन- प्रतियोगिताएँ ▸ समाचार-पत्र

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
▸ विभिन्न प्रिंट एवं डिजिटल माध्यमों से प्राप्त उपयुक्त जानकारी ▸ विभिन्न भाषा शैलियों के उदाहरण – व्यंग्यात्मक, विचारात्मक, भावात्मक आदि ▸ साहित्य की विभिन्न विधाएँ – कहानी, एकांकी, कविता, लेख, निबंध आदि का पठन एवं लेखन	विकसित करने के लिए अतिरिक्त अध्ययन के लिए प्रेरित करें। ▸ अपने परिवेश, समय और समाज से जुड़े विषयों पर रचनाएँ उपलब्ध करवाएँ और लेखन के अवसर भी दें। ▸ पुस्तकें उपलब्ध करवाएँ तथा ऐसी गतिविधियों का आयोजन करें जिसमें पढ़ने और लिखने की क्षमता का विकास हो। ▸ भाषा-खेलों का आयोजन करें। ▸ [redacted] ▸ किसी परिचित से साक्षात्कार करने के लिए प्रश्न निर्माण करवाएँ और जानकारी को दर्ज करने के लिए कहें।	

थीम 3: व्याकरण और भाषा

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- हिंदी भाषा में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के शब्दों को पहचान सकेंगे और अपनी भाषा में उनका प्रयोग कर सकेंगे।
- उपसर्ग - प्रत्यय का तात्पर्य समझ सकेंगे और मूल शब्दों में जोड़कर नए शब्द बना सकेंगे।
- संज्ञा के तीन भेद – व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा और भाववाचक संज्ञा को पहचान सकेंगे और भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण कर सकेंगे।
- सर्वनाम के भेदों की पहचान और उसका सही प्रयोग कर सकेंगे। भेद – पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक, निजवाचक का स्पष्टीकरण।
- विशेषण तथा विशेषण के चार भेदों - गुणवाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण पहचान सकेंगे और उसका प्रयोग कर सकेंगे। अन्य पदों से विशेषण बना सकेंगे।
- क्रिया - कर्म के आधार पर दो भेद - अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया की पहचान कर सकेंगे।
- **क्रिया विशेषण और उसके चार भेदों – रीतिवाचक क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, कालवाचक क्रिया विशेषण और स्थानवाचक क्रिया विशेषण की पहचान कर सकेंगे।**
- व्यावहारिक भाषा में लिंग और वचन का सही प्रयोग कर सकेंगे।
- काल व काल के तीन भेदों – भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यत् काल का समुचित प्रयोग कर सकेंगे ।
- कारक -चिह्नों को समझ कर अपनी भाषा में सही प्रयोग कर सकेंगे।
- **वाक्य भेद – अर्थ के आधार पर वाक्यों को पहचान सकेंगे। परस्पर परिवर्तन कर सकेंगे।** भेद – विधानवाचक – निषेधवाचक, प्रश्नवाचक, विस्मयादिबोधक, आज्ञावाचक, इच्छावाचक, संदेहवाचक और संकेतवाचक। वाक्य-शोधन भी करते हैं।
- (क) विराम -चिह्नों को पहचान सकेंगे और उनका सही प्रयोग कर सकेंगे।
- (ख) 'की' और 'कि' तथा 'रि' और 'ऋ' के अंतर, अनुस्वार 'र' के विभिन्न रूपों को ठीक से समझते हुए लेखन में सही प्रयोग कर सकेंगे।
- शब्द-भंडार - विलोम, पर्यायवाची, अनेक के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्दों का अपनी भाषा में प्रयोग करते हैं।
- मुहावरों को वाक्यों और भाषा में समझ कर प्रयुक्त कर सकेंगे।
- अपठित अनुच्छेद पढ़कर समझ सकेंगे और अपनी भाषा में संक्षिप्त उत्तर लिख सकेंगे।
- पत्र-लेखन का प्रारूप समझते हुए औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लिख सकेंगे।
- निबंध-लेखन द्वारा अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकेंगे। भाषा शैली, प्रस्तुति का क्रमशः विकास हो सकेगा।

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▹ वर्ण विचार ▹ भाषा विचार ▹ शब्द विचार – उपसर्ग – प्रत्यय ▹ संज्ञा, लिंग, वचन, कारक, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, काल तथा उनके भेद ▹ वाक्य भेद – अर्थ के आधार पर ▹ विराम चिह्न ▹ 'की' और 'कि', 'रि' और 'ऋ' का अंतर ▹ शब्द भंडार – विलोम, पर्यायवाची, अनेक के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्द ▹ सामान्य मुहावरे ▹ रोचक अपठित गद्यांश / पद्यांश (स्तारानुकूल) ▹ पत्र लेखन – औपचारिक और अनौपचारिक पत्र ▹ निबंध लेखन (150 से 180 शब्दों में) ▹ [redacted]	▹ स्वरों और व्यंजनों के अंतर को स्पष्ट करें। अब 'ऑ' हिंदी के स्वर के रूप में मान्य है, जानकारी दें। डॉक्टर, कॉलेज, बॉल आदि उदाहरणों से स्पष्ट करें। इ, उ और अ की मात्रा के प्रयोग पर ध्यान दिलाएँ – रू और रु, रूप, ज़रूरत, रुपया, रुकना, रुचि आदि उदाहरणों से समझाएँ। सयुंक्त व्यंजन के रूपों को बताएँ – क्ष, त्र, ज्ञ, श्र। ▹ मौखिक रूप पहले आया, क्यों ? आदि पर चर्चा करें। दोनों रूपों को स्पष्ट करें। ▹ तत्सम – तद्भव रूप को समझाएँ। नवीन सोच की ओर भी संकेत किया जा सकता है कि 'तत्सम' शब्द वे हैं जो किसी अन्य भाषा से ज्यों के त्यों ले लिए गए हैं, जैसे – अग्नि, अस्थि, मॉल, रॉकेट, कॉलेज, इडली, ज़रूरत आदि। 'तद्भव' वे हैं जिन्हें हिंदी भाषा के अनुरूप ढाल लिया गया है, जैसे – दूध, हाथ, त्रासदी, अलबम आदि। ▹ पाठ के शब्दों का चयन कर संज्ञा भेदों को बताएँ। उदाहरण – पेड़ – जातिवाचक संज्ञा, आगरा – व्यक्तिवाचक संज्ञा, सौंदर्य – भाववाचक संज्ञा। भाववाचक संज्ञा निर्माण – ऊँचा से ऊँचाई। ▹ पाठ्य – सामग्री से सर्वनाम छाँटकर उनके भेदों को पहचानने के लिए कहें। ▹ सर्वनाम के भेदों की पहचान और उनके सही रूप का प्रयोग करने का अभ्यास करवाएँ। (भेद – पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक, निजवाचक)। ▹ जब सन्दर्भ के साथ यह, वह, इन्हें, उन्हें, उसे आदि का प्रयोग हो तब तो निश्चयवाचक सर्वनाम मान सकते हैं। जब संदर्भ न हों तब सर्वनाम पुरुषवाचक भी हो सकता है और निश्चयवाचक भी, इसका निर्णय कैसे लें ? इसे	▹ कार्य पत्र ▹ कार्य पत्र ▹ कार्य पत्र (कुछ तत्सम और तदभव शब्दों की सूची) ▹ शब्द-परिवार के लिए कार्यपत्रक या भाषा-खेल ▹ डाकखाना भ्रमण, पोस्ट कार्ड, अंतर्देशीय पत्र, लिफ़ाफ़ा, ▹ सुन्दर चित्र ▹ विज्ञापनों के नमूने पत्र पत्रिकाओं से ▹ डायरी लेखन की कुछ पुस्तकें O अनौपचारिक पत्र अपना पता तिथि संबोधन विषय वस्तु __________ __________ अपना नाम

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
	इस प्रकार समझा जा सकता है कि यदि व्यक्ति के लिए यह, वह का प्रयोग हुआ है तब तो वह पुरुषवाचक सर्वनाम होगा और वस्तु, घटना आदि के लिए आया है तो निश्चयवाचक सर्वनाम होगा। इससे समस्या का काफ़ी हद तक समाधान हो जाएगा। जैसे – ☛ **उसे** समझा दो / **वह** वहाँ खड़ी है/ **यह** तो यहाँ ही बैठी है। इन वाक्यों में उसे, वह, यह व्यक्तियों के लिए आया है यह विभिन्न क्रियाओं से स्पष्ट है। इन्हें पुरुषवाचक माना जाएगा। ☛ **यह** यहाँ रख दो। **वह** वहीं पड़ा रहने दो। **उसे** उठा लाओ। इन वाक्यों में यह, वह, उसे वस्तुओं के लिए ही प्रयुक्त हुआ है अतः इन्हें निश्चयवाचक मानना चाहिए। ☛ कुछ अन्य वाक्य देखिए– ☛ **उन्हें** भी बुला लो / **उन्हें** रखा रहने दो / **उन्हें** रहने दो - पहले वाक्य में 'उन्हें 'व्यक्तियों के लिए ही प्रयुक्त हुआ है जबकि दूसरे वाक्य में वस्तुओं के लिए और तीसरे में व्यक्ति भी हो सकते हैं और वस्तु भी। ऐसी स्थिति में दोनों संभव है। संदर्भ ज्ञात हो तो उसी के अनुरूप भेद किया जा सकता है अन्यथा दोनों भेद माने जा सकते हैं। ▷ पाठ्य-सामग्री से विशेषण छाँटकर अभ्यास करवाएँ। सार्वनामिक विशेषण को समझना आवश्यक है। ☛ **यह** घर साफ़ है और **वह** कितना गंदा। इस वाक्य में 'यह' घर की विशेषता बता रहा है इसलिए सार्वनामिक विशेषण है और 'वह' घर के लिए आया है इसीलिए सर्वनाम है। ☛ सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण दोनों रूप रचना के स्तर पर समान होते हैं केवल वाक्य प्रयोग के स्तर दोनों में अंतर होता है। जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं वे सर्वनाम होते हैं लेकिन जब कोई सर्वनाम किसी संज्ञा (विशेष्य) के साथ लगकर संज्ञा	O औपचारिक पत्र अपना पता तिथि जिसके लिए है उसका पद पता विषय संबोधन विषय वस्तु ________________ ________________ भवदीय अपना नाम दिनांक............ स्थान........ समय

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
	की विशेषता बताता है तो सार्वनामिक विशेषण होता है। जैसे - **कुछ** बच्चे पौधे रोप रहे हैं, **उस** लड़की को बुलाओ। ▸ विशेषण बनवाएँ, जैसे – सुगंध – सुगंधित, कौन – कैसा, गर्मी – गर्म। ▸ क्रिया-कर्म के आधार पर दो भेद - अकर्मक और सकर्मक की पहचान करवाएँ। प्रायः कर्म के साथ सकर्मक क्रिया आती है। उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें। इस स्तर पर मिश्रित, संयुक्त और प्रेरणार्थक क्रियाओं के उदाहरणों से बचा जाए तो बेहतर है। ▸ [redacted] ▸ क्रिया विशेषण के भेदों की पहचान के लिए क्रिया के साथ कैसे, कितना, कब और कहाँ लगाकर स्पष्ट किया जा सकता है। पाठ्य पुस्तक से उदाहरण छँटवाकर अभ्यास करवाया जा सकता है। ▸ लिंग और वचन का अभ्यास करवाएँ। हिंदी में निर्जीव वस्तुओं के लिए भी स्त्रीलिंग या पुल्लिंग निर्धारित होता है और कभी-कभी मातृभाषा से प्रभावित होकर लिंग भेद देखा जा सकता है जैसे पंजाब में ट्रक **आती** है जबकि हिंदी क्षेत्र में ट्रक **आता** है। इसका संकेत किया जा सकता है और प्रयोग विद्यार्थी पर छोड़ा जा सकता है। परीक्षा में ऐसे अपवादों को पूछने से बचना चाहिए। प्रयोग के आधार पर अभ्यास	

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
	करवाया जाए। वचन को भी स्पष्ट करें। कभी-कभी शब्द के रूप में एकवचन और बहुवचन समान होते हैं लेकिन प्रयोग या क्रिया आदि से एकवचन या बहुवचन का निर्धारण होता है, जैसे – फूल **लगा** है। फूल **लगे** हैं। इन वाक्यों में 'फूल' का रूप दोनों वाक्यों में समान है जबकि पहले वाक्य में एकवचन है जबकि दूसरे में बहुवचन। इसका पता क्रिया से लगा। इस प्रकार के उदाहरण देकर स्पष्ट करें। कार्यपत्रों के माध्यम से अभ्यास करवाएँ। ➢ [redacted] ➢ काल के तीन भेद– भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत् काल का अभ्यास करवाएँ। परस्पर परिवर्तन का अभ्यास करवाएँ। मैं लिखती थी। मैं लिखती हूँ। मैं लिखूँगी। रोचक कार्यपत्रों द्वारा पहचान करवाएँ। ➢ कारकों के भेद प्रयोग द्वारा स्पष्ट करें। सामान्य कारक-चिह्नों के प्रयोग का अभ्यास करवाएँ। ➢ अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद की पहचान करवाएँ। परस्पर रूपांतरण करने पर अर्थ भी बदल जाता है, अतः इसका रूपांतरण अपेक्षित नहीं है, फिर भी कहीं-कहीं दिया जाता है अतः अर्थ बदलेगा – इसे समझाएँ। जैसे – वह सुंदर है। (विधानवाचक) ☛ इसका निषेधवाचक होगा – वह सुंदर नहीं है। ☛ न कि वह असुंदर नहीं है। ➢ विराम चिह्नों का प्रयोग करवाएँ। पूर्ण-विराम, प्रश्न चिह्न, अल्पविराम, उद्धरण चिह्न, कोष्ठक, विस्मयादिबोधक, योजक चिह्नों का प्रयोग स्थल बताएँ और अभ्यास करवाएँ। ➢ विद्यार्थियों द्वारा अनजाने में की गई 'की' और 'कि', 'रि' और 'ऋ' की अशुद्धियों की ओर ध्यान दिलवाएँ।	

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
	➢ शब्द भंडार – विलोम, पर्यायवाची, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द और अनेकार्थी शब्दों का प्रयोग करवाएँ। पाठ्य-सामग्री से ऐसे शब्दों को चुनने का अभ्यास करवाएँ। (स्तर को ध्यान में रखते हुए प्रति सत्र 15-20 शब्दों की सूची देकर भी अभ्यास करवाया जा सकता है। सूची की सीमा के कारण विद्यार्थी तैयारी अच्छी कर पाते हैं। छठी की सूची सातवीं में जोड़ कर पूछें और आठवीं में छठी, सातवीं जोड़कर)। ➢ पाठ्य-सामग्री में आए मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। रचनात्मक लेखन में उसका प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। ➢ रोचक अपठित गद्यांश और काव्यांश देकर प्रश्न अभ्यास करवाएँ । सामग्री को स्वयं समझकर उत्तर देने की क्षमता विकसित करें। ➢ पत्र लेखन – औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को स्पष्ट करें। यह भी स्पष्ट करें कि पता, तिथि, विषय, संबोधन और समाप्ति की आवश्यकता क्यों है? भाषा शैली पर विशेष ध्यान दिलवाएँ। अति संक्षेप या अनावश्यक विस्तार से बचने की प्रेरणा दें। ➢ निबंध लेखन के लिए विद्यार्थियों को उनके स्तर के अनुकूल समसामयिक, उनसे संबद्ध और रोचक विषय दें। निबंध का प्रारंभ, मुख्य विषय-वस्तु और उपसंहार को स्पष्ट करें। यह निबंध वर्णनात्मक, कल्पनात्मक आदि हो सकते हैं।	